

# Lost Spring

---

## Textual Questions

### Activity 1: Comprehension

**A. Say whether the following statements are True or False. Write 'T' for true and 'F' for false:**

1. Saheb came from his home in Dhaka long ago and lived in Seemapuri with his parents.
2. Their homes and fields in Bangladesh were destroyed by storms.
3. Saheb follows the writer's advice to go to school.
4. The rag pickers of Seemapuri live in mud houses.
5. Seemapuri slums have proper sewage, drainage and water supply facilities.
6. Mukesh belongs to a family of bangle makers in Firozabad.
7. Mukesh wants to become a motor mechanic.
8. Workers in the glass industry face many health hazards.
9. Saheb-e-Alam (Saheb) does not seem to be happy working at the tea-stall.
10. Most bangle makers lose their eye-sight before becoming adults.

### Answer:

1. True
2. True
3. False
4. True
5. False
6. True
7. True
8. True
9. True
10. True

**B. Answer the following questions in about 30-40 words each:**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए:

**Question 1. Why did Saheb's family settle at Seemapuri? साहेब का परिवार सीमापुरी में क्यों बस गया?**

**Answer:** Saheb's family settled at Seemapuri as their fields and home in Dhaka got destroyed by many storms. So they left their country in search of a living and came to India.

साहेब का परिवार सीमापुरी में इसलिए बस गया क्योंकि ढाका में उनके खेत व घर बहुत से तूफानों में नष्ट हो गए थे। इसलिए वे आजीविका के साधन की खोज में अपना देश छोड़कर भारत आ गए।

**Question 2. Why does Anees Jung's promise to open school seem hollow?**

अनीस जंग का स्कूल खोलने का वायदा खोखला क्यों लगता है?

**Answer:** Her promise to open school seems hollow because she really does not mean it. She says it half-jokingly, and without any serious thinking.

उनका स्कूल खोलने का वायदा इसलिए खोखला लगता है क्योंकि वास्तव में उनका यह अभिप्राय है ही नहीं। वह इस बात को मानो मज़ाक में और बिना किसी गम्भीर चिन्तन के कहती हैं।

**Question 3. Why does the author describe Seemapuri as miles away from Delhi?**

लेखिका ऐसा वर्णन क्यों करती है कि सीमापुरी दिल्ली से मीलों दूर है?

**Answer:** The author describes Seemapuri as miles away from Delhi because this area lacks all the basic facilities that are available in Delhi. In spite of being on the periphery of Delhi, it is quite different from the heart of the city.

लेखिका सीमापुरी को दिल्ली से मीलों दूर बताती हैं क्योंकि इस क्षेत्र में दिल्ली में उपलब्ध सभी आधारभूत सुविधाओं का अभाव है। दिल्ली की परिधि में होने के बावजूद यह मुख्य शहर से बिल्कुल भिन्न है।

**Question 4. What does the author mean by the expression 'Garbage to them is gold'?**

'कचरा उनके लिए सोना है' इस अभिव्यक्ति से लेखिका का क्या अभिप्राय है?

**Answer:** By this expression, the author means to say that garbage is a means of livelihood to the ragpickers. It gives them food and shelter. Sometimes children even find silver coins in it. So it is very precious to them.

इस अभिव्यक्ति से लेखिका का अभिप्राय है कि कचरा, कचरा बीनने वालों की जीविका का साधन है। इससे उन्हें भोजन व रहने को स्थान मिलता है। कभी-कभी बच्चों को इसमें चांदी के सिक्के भी मिल जाते हैं। इसलिए उनके लिए यह बहुत कीमती है।

**Question 5. What does the expression 'sometimes I find a rupee in the garbage' mean?**

‘कभी-कभी मुझे कचरे में एक रुपया मिल जाता है’ अभिव्यक्ति से क्या अभिप्राय है?

**Answer:** This expression is indicative of the ragpickers' state of utter poverty. Their children find garbage a thing of wonder and a rupee found in it a gift. One rupee means a very big amount to these children.

यह अभिव्यक्ति कचरा बीनने वालों की अत्यन्त गरीबी की दशा की सूचक है। उनके बच्चों को कचरा एक अद्भुत वस्तु और उसमें मिलने वाला एक रुपया उपहार लगता है। एक रुपया उनके लिए बहुत बड़ी धनराशि है।

**Question 6. Why is Saheb not happy working at the tea stall?**

साहेब चाय की दुकान पर काम करके खुश क्यों नहीं है?

**Answer:** Saheb is not happy working at the tea stall because here he has lost his freedom. Now he is no more the master of himself. He feels like a slave and this has taken away his happiness.

साहेब चाय की दुकान पर काम करके इसलिए खुश नहीं है क्योंकि यहाँ उसकी स्वतन्त्रता समाप्त हो गई है। अब वह स्वयं का मालिक नहीं रह गया है। उसे दास की भाँति अनुभव होता है और इस कारण उसकी खुशी छिन गई है।

**Question 7. What is Mukesh's ambition? Can it be realized?**

मुकेश की महत्वाकांक्षा क्या है? क्या यह पूरी हो सकती है?

**Answer:** Mukesh has the ambition to become a motor mechanic. Its realization is very difficult because his family is very poor. Mukesh is bound to work as a bangle maker. But he may realize his ambition with his strong will.

मुकेश की महत्वाकांक्षा एक मोटर मेकेनिक बनने की है। इसका पूरा होना बहुत कठिन है क्योंकि मुकेश का परिवार बहुत गरीब है। मुकेश एक चूड़ी बनाने वाले के रूप में काम करने को बाध्य है। परन्तु अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से वह अपनी महत्वाकांक्षा पूरी कर सकता है।

**Question 8. "Can a God-given lineage ever be broken?" Why does Mukesh's grandmother say so?**

"क्या ईश्वर-प्रदत्त वंश-परम्परा को कभी तोड़ा जा सकता है?" मुकेश की दादी ऐसा क्यों कहती हैं?

**Answer:** Mukesh's grandmother says so because she has accepted the job of bangle making as her family's lot. She sees no way to get over the condition of utter poverty. She has no hope regarding a good future.

मुकेश की दादी ऐसा इसलिए कहती है क्योंकि उन्होंने चूड़ी बनाने के काम को अपने परिवार के भाग्य के रूप में स्वीकार कर लिया है। उनकी दृष्टि में अत्यन्त गरीबी की स्थिति से उबरने का कोई रास्ता नहीं है। उसे अच्छे भविष्य की कोई आशा नहीं है।

**Question 9. Describe the hazards of working in the glass bangle industries.**

काँच की चूड़ियों के उद्योगों में काम करने के खतरों का वर्णन कीजिए।

**Answer:** Glass bangle makers work in dark hutments. The dust of polishing glass bangles before the flames of flickering oil lamps makes them lose their eyesight. Lack of proper air and sunlight also affects them badly.

चूड़ी बनाने वाले अंधेरी झोंपड़ियों में तेल के दीपकों की टिमटिमाती लौ के सामने काम करते हैं। काँच की चूड़ियों को पॉलिश करने वाली धूल से वे अपनी दृष्टि खो बैठते हैं। समुचित हवा व प्रकाश के अभाव का भी उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

**Question 10. "She still has bangles on her wrist, but no light in her eyes", what does Anees Jung imply by this statement?"**

उसकी कलाईयों में अब भी चूड़ियाँ हैं, परन्तु उसकी आँखों में कोई चमक नहीं है," इस कथन से अनीस जंग का क्या अभिप्राय है?

**Answer:** This statement evokes a feeling of contrast. Bangles that are considered to be a symbol of joy snatch away the eyesight of poor labourers who make them. These poor labourers have no joy in their life.

यह कथन विरोधाभास के भाव को जगाता है। खुशी की प्रतीक मानी जाने वाली चूड़ियाँ उन्हें बनाने वाले गरीब श्रमिकों की दृष्टि छीन लेती हैं। इन गरीब श्रमिकों के जीवन में कोई खुशी नहीं होती है।

**Question 11. What happens when the bangle makers in Firozabad try to get organised for their rights?**

फिरोजाबाद में चूड़ी बनाने वाले जब अपने अधिकारों के लिए संगठित होने का प्रयास करते हैं तो क्या होता है?

**Answer:** When these people try to get organised for their rights, they are hauled up by the police, beaten and dragged to jail for doing something illegal. The evil powers in society don't let them raise voice for their betterment.

जब ये लोग अपने अधिकारों के लिए संगठित होने का प्रयास करते हैं तो इन्हें पुलिस द्वारा कुछ गैरकानूनी काम करने के आरोप में घसीटा जाता है, पीटा जाता है और जेल में डाल दिया जाता है। समाज की बुरी शक्तियाँ उन्हें अपने भले के लिए आवाज उठाने नहीं देती हैं।

**C. Answer the following questions in about 125 words each:**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए:

**Question 1. Describe the living conditions of Seemapuri slums.**

सीमापुरी की झुग्गी-झोंपड़ियों में जीवन की दशाओं का वर्णन कीजिए।

**Answer:** Seemapuri is situated on the periphery of Delhi. About ten thousand ragpickers live here in structures of mud, with roofs of tin and tarpaulin. They do not have sewage, drainage or running water. Children grow up in these small structures and help their parents in their survival.

Rag-picking is the only way for survival in Seemapuri. Garbage to them is gold. People here live in utter poverty. They are devoid of even the basic amenities of life. Health, education, sports etc. are not even in their dreams.

Their poverty doesn't allow them to live a hygienic and healthy life. They cannot even think of a good life and keep engaged in ragpicking or some type of menial jobs. Even small children work as ragpickers in the midst of danger of a number of diseases.

सीमापुरी बाहरी दिल्ली में स्थित है। लगभग दस हजार कूड़ा बीनने वाले यहाँ तिरपाल और टीन की छत वाले कच्चे घरों में रहते हैं। उनके यहाँ पानी का निकास अथवा पानी की आपूर्ति नहीं है। बच्चे इन्हीं छोटे घरों में बड़े होते हैं और आजीविका कमाने में अपने माता-पिता की मदद करते हैं।

सीमापुरी में कूड़ा बीनना ही जीवन बचाये रखने का एकमात्र तरीका है। उनके लिए कूड़ा ही सोना है।

यहाँ लोग निहायत गरीबी में जीते हैं। वे जीवन की आधारभूत सुविधाओं से भी वंचित हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, खेलकूद इत्यादि के तो वे स्वप्न भी नहीं देखते हैं। अपनी गरीबी के कारण वे स्वच्छ व स्वस्थ जीवन नहीं जी पाते हैं। अच्छे जीवन के विषय में तो वे सोच भी नहीं पाते हैं और कचरा बीनने या किसी अन्य प्रकार के

निम्न कोटि के कामों काम में लगे रहते हैं। छोटे-छोटे बच्चे भी बहुत-सी बीमारियों के खतरे के बीच कचरा बीनने का काम करते हैं।

**Question 2. Mention the circumstances which force the bangle makers to live a life of the primaeval state in Firozabad?**

उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जो फिरोजाबाद में चूड़ी बनाने वालों को आदिम युग जैसा जीवन जीने को मजबूर करती हैं?

**Answer:** Most of the poor people in Firozabad are engaged in bangle making. They keep working there generation after generation. They live in sheer poverty that does not allow them to think beyond the job of bangle making. They live in very unhygienic conditions and they are devoid of good health and education.

They don't even have good houses to live in. They live in a very poor state. The moneylenders, the middlemen, the policemen, the keepers of the law, the bureaucrats and the politicians have created the vicious circle from which it is very difficult for the workers in the bangle industry to get out. They accept their fate before being aware of it. The vicious circle of poverty and injustice forces them to live a life of the primaeval state.

फिरोजाबाद में अधिकांश गरीब लोग चूड़ी बनाने के काम में लगे हैं। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसी काम को करते रहते हैं। वे अत्यधिक गरीबी में रहते हैं जो उन्हें चूड़ी बनाने के काम के परे सोचने भी नहीं देती है। वे बहुत अस्वास्थ्यकर स्थितियों में रहते हैं और वे अच्छे स्वास्थ्य व शिक्षा से वंचित हैं। उनके पास रहने के लिए अच्छे घर भी नहीं होते हैं। वे अत्यधिक बुरी स्थिति में रहते हैं।

साहूकारों, मध्यस्थों, पुलिसवालों, कानून के रखवालों, नौकरशाहों और राजनेताओं ने एक ऐसा कुचक्र बना दिया है जिसमें से चूड़ी उद्योग में लगे मजदूरों को निकलना अत्यन्त कठिन है। इस सबको जानने से पहले ही वे अपने भाग्य को स्वीकार कर लेते हैं। गरीबी और अन्याय का कुचक्र उन्हें आदिम युग जैसा जीवन जीने को मजबूर कर देता है।

**Question 3. Describe the two types of worlds mentioned by Anees Jung in the 'Lost Spring'.**

'Lost Spring' में अनीस जंग द्वारा उल्लिखित दो प्रकार के संसारों का वर्णन कीजिए।

**Answer:** Anees Jung describes two types of worlds that impose such baggage on the children of poor families that they cannot put down. First is the world of the family that is caught in a web of poverty. The children are burdened with the stigma of caste in which they are born. The other world is a vicious circle of the sahuikars, the middlemen, the policemen, the keepers of the law, the bureaucrats and the politicians. These two

worlds together weave a net of misfortune for the children of poor families. Their poverty doesn't allow them even to think of a good lifestyle. The society, on the other hand, is very cruel to them in general. People have no sympathy with these less fortunate ones and hinder their dreams of a good life.

अनीस जंग दो प्रकार के संसारों का वर्णन करती हैं जो गरीब परिवारों के बच्चों पर ऐसा बोझ लाद देते हैं जिसे वे उतार ही नहीं पाते हैं। पहला संसार गरीबी के जाल में फंसे उनके परिवार का होता है। बच्चे अपने जन्म की जाति के कलंक के बोझ तले दबे रहते हैं। दूसरा संसार साहूकारों, बिचौलियों, पुलिस वालों, कानून के रखवालों, नौकरशाहों और राजनीतिज्ञों के कुचक्र का है।

ये दो संसार मिलकर गरीब परिवारों के बच्चों के लिए दुर्भाग्य का एक जाल बुनते हैं। अपनी गरीबी के कारण उन्हें एक अच्छी जीवन-शैली का विचार तक नहीं आता है। दूसरी और समाज आमतौर पर उनके लिए बहुत निर्दयी होता है। लोगों को इन अभागों से कोई सहानुभूति नहीं होती है और वे इनके अच्छे जीवन के स्वप्न में बाधा उत्पन्न करते हैं।

**Question 4. Discuss how child labour is a potential threat to life on the basis of your reading of the lesson the 'Lost Spring'.**

'Lost Spring' पाठ के अपने पढ़ने के आधार पर वर्णन कीजिए कि बालश्रम किस प्रकार जीवन के लिए एक सम्भावित खतरा है।

**Answer:** Child labour is a blot on the forehead of humanity. We can see children working in very hazardous conditions. As we see in the lesson "Lost Spring", small children are seen as rag pickers and as labourers in bangle making industry. Rag picking brings them in contact with many communicable diseases.

As bangle makers, they work in dingy hutments in a very dim light that takes away their eyesight. Lack of proper air and sunlight poses a great threat to their life. At a very tender age when they should have proper opportunities to grow, they have to indulge in menial jobs. It affects their health very badly, and at the same time blocks the chance of their good future. They become old before their real age.

बालश्रम मानवता के माथे पर एक कलंक (धब्बा) है। हम बच्चों को अत्यधिक खतरनाक स्थितियों में काम करते हुए देखते हैं। जैसा कि 'Lost spring' पाठ में छोटे बच्चे कचरा बीनने वालों व चूड़ी बनाने के उद्योग में श्रमिकों के रूप में दिखाई देते हैं। कचरा बीनने से वे बहुत-सी संक्रामक बीमारियों के सम्पर्क में आ जाते हैं।

चूड़ी बनाने वालों के रूप में वे छोटी अंधेरी झोंपड़ियों में बहुत कम प्रकाश में काम करते हैं जिससे उनकी दृष्टि समाप्त हो जाती है। समुचित हवा व धूप का अभाव उनके जीवन के लिए एक बड़ा खतरा उपस्थित कर देता है। बहुत कोमल (छोटी) आयु में ही जब उन्हें विकास के समुचित अवसर मिलने चाहिए, उन्हें

बहुत निम्न कोटि के कामों में लगना पड़ता है। इससे उनके स्वास्थ्य पर तो बुरा प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही उनके अच्छे भविष्य के अवसर भी अवरुद्ध हो जाते हैं। वे समय से पहले ही वृद्ध हो जाते हैं।

## **Additional Questions**

**A. Answer the following questions in about 30-40 words each:**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए:

**Question 1. What is Saheb looking for in the garbage dumps? Where does he live and where has he come from?**

साहेब कूड़े के ढेर में क्या खोज रहा है? वह कहाँ रहता है तथा कहाँ से आया है?

**Answer:** Saheb is looking for money in the garbage dumps. Presently he is living at Seemapuri. His family has come from Bangladesh in the hope of a good life.

साहेब कचरे के ढेर में पैसा ढूँढ रहा है। आजकल वह सीमापुरी में रह रहा है। उसका परिवार एक अच्छे जीवन की आशा में बांग्लादेश से आया है।

**Question 2. What explanations does the author offer for the children not wearing footwear?**

लेखिका बच्चों के जूते न पहनने के लिए क्या स्पष्टीकरण देती है?

**Answer:** Most people think that it is not lacking money but a tradition to stay barefoot but the author thinks otherwise. She considers that it is the perpetual state of poverty that makes them walk barefoot.

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि धन की कमी से नहीं वरन् परम्परा के कारण लोग नंगे पैर रहते हैं। किन्तु लेखिका इसको उल्टा सोचती है। उसका मत है कि लगातार बनी रहने वाली गरीबी के कारण लोग नंगे पैर रहते हैं।

**Question 3. What makes the city of Firozabad famous?**

फिरोजाबाद शहर किस बात के लिए प्रसिद्ध है?

**Answer:** Firozabad is famous for its glass-blowing industry. Every other family in Firozabad is engaged in making bangles. Many families have spent generations in this work and they are still engaged in it.



फिरोजाबाद काँचधमन उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। फिरोजाबाद का हर दूसरा परिवार चूड़ी बनाने में लगा है। बहुत से परिवारों ने इस काम में पीढ़ियाँ गुजार दी हैं और अब भी इसमें लगा है।

**Question 4. How is Mukesh's attitude to his situation different from that of his family?**

अपने हालात के प्रति मुकेश का दृष्टिकोण उसके परिवार के दृष्टिकोण से किस प्रकार भिन्न है?

**Answer:** Mukesh comes from a family of bangle makers. Unlike his family members, he does not want to cling to bangle making. He wants to be the master of his own. He wants to become a motor mechanic.

मुकेश चूड़ी बनाने वालों के परिवार से है। अपने परिजनों से अलग वह चूड़ी बनाने के काम से चिपका रहना नहीं चाहता है। वह अपना मालिक खुद बनना चाहता है। वह एक मोटर मेकेनिक बनना चाहता है।

**Question 5. What do you know about Saheb? (Board Paper 2017)**

आप साहेब के बारे में क्या जानते हैं?

**Answer:** Saheb was a poor boy. He belonged to a family of rag-pickers and lived in very unhygienic conditions. Every morning, he would scrounge for silver coin in the garbage dumps. He had nothing else to do.

साहेब एक गरीब लड़का था। वह कचरा बीनने वाले परिवार से था और बहुत अस्वास्थ्यकर स्थितियों में रहता था। प्रत्येक सुबह, वह कचरे के ढेर में पैसे ढूँढ़ता था। उसके पास करने के लिए कुछ और काम नहीं था।

**Question 6. Why did Saheb's family migrate to India?**

साहेब का परिवार भारत क्यों आया?

**Answer:** Saheb's family lived in Dhaka. There were many storms that swept away their fields and homes. They had nothing to eat and no houses to live in. So they left Dhaka for Delhi to earn their livelihood.

साहेब का परिवार ढाका में रहता था। वहाँ अनेक तूफान आते थे जो उनके खेतों और घरों को बहा ले जाते थे। उनके पास न भोजन था और न ही रहने के लिए घरे।

इसलिए वे अपनी रोजी-रोटी कमाने ढाका से दिल्ली आ गये।

**Question 7. Why does the writer feel her advice to be hollow?**

लेखिका को अपना सुझाव खोखला क्यों लगता है?

**Answer:** The writer knew that there was neither a school for Saheb in the neighbourhood, nor could she start one in the near future, yet she asked him to go to school. So she feels that her advice must have sounded hollow.

लेखिका जानती थी कि साहेब के लिए आस-पास न कोई स्कूल है और न ही वह निकट भविष्य में कोई स्कूल खोल सकती है, तथापि उसने उसे स्कूल जाने के लिए कहा। इसीलिए उसे लगता है कि उसकी सलाह (साहेब को) अवश्य ही खोखली लगी होगी।

**Question 8. Why did the author feel embarrassed?**

लेखिका को स्वयं पर ग्लानि क्यों हुई?

**Answer:** The author asked a ragpicker boy, Saheb if he would come to the school when she opened one. Later when Saheb asked her about the school, she felt embarrassed about her false promise.

लेखिका ने एक कचरा बीनने वाले लड़के, साहेब से पूछा कि जब वह स्कूल खोलेगी तो क्या वह उसमें आयेगा। बाद में जब साहेब ने उससे स्कूल के बारे में पूछा तो उसे अपने झूठे वायदे पर ग्लानि हुई।

**Question 9. What do people think of garbage in slums?**

झुगियों में लोग कचरे के विषय में क्या सोचते हैं?

**Answer:** For elderly people or the parents, garbage is not at all a useless thing, it is a means of their survival. For children, it is a fun and mysterious aspect as they sometimes find something precious in it.

बड़े लोगों या माँ-बाप के लिए कूड़ा बेकार चीज नहीं है वरन् जीवित रहने का साधन है। बच्चों के लिए यह एक मजेदार रहस्यमयी चीज है क्योंकि उन्हें इसमें कभी-कभी कोई कीमती चीज मिल जाती है।

**Question 10. "But promises like mine abound in every corner of his bleak world." Explain.**

"लेकिन मेरे जैसे वायदे उसके धुंधले संसार में सब ओर भरे हुए हैं।" समझाइये।

**Answer:** Through this statement, the author throws light on the gloomy world of poor

children. Every day, new promises are made to improve their lot, but none of them is implied. Law promises them health and education but they do not get these in reality.

इस कथन के माध्यम से लेखिका गरीब बच्चों के दुःखपूर्ण संसार पर प्रकाश डालती है। हर रोज, उनकी दशा सुधारने के नये-नये वादे किये जाते हैं, लेकिन उनमें से किसी को लागू नहीं किया जाता है। कानून के द्वारा उनके स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था है परन्तु वास्तव में उन्हें ये दोनों ही नहीं मिलते हैं।

**Question 11. Bring out the irony in the name of the ragpicker boy Saheb-e-Alam.**

कचरा बीनने वाले लड़के, साहेब-ए-आलम के नाम में विडम्बना दर्शाइये।

**Answer:** The ragpicker boy is named Saheb-e-Alam. His name means the Lord of the Universe. But the fate of the boy is quite contrary to his name. He is a humble rag picker. What to say of the universe, he doesn't have a proper house to live in.

कचरा बीनने वाले लड़के का नाम साहेब-ए-आलम है। उसके नाम का अर्थ है – ब्रह्माण्ड का स्वामी। लेकिन उस लड़के का भाग्य उसके नाम के बिल्कुल विपरीत है। वह मात्र एक कचरा बीनने वाला है। ब्रह्माण्ड की तो बात ही क्या, उसके पास तो रहने के लिए ठीक-ठाक घर भी नहीं है।

**Question 12. Where is Saheb going with a steel canister in his hand?**

स्टील का कनस्तर हाथ में लेकर साहेब कहाँ जा रहा है?

**Answer:** Saheb is going to the milk booth with a steel canister in his hand. He works at a tea-stall. The tea-stall owner who has employed him has sent him to fetch milk. He is obeying the tea-stall owner.

स्टील का कनस्तर हाथ में लेकर साहेब दूध की दुकान पर जा रहा है। वह एक चाय की दुकान पर काम करता है। चाय की दुकान के मालिक ने जिसने उसे नौकरी पर रखा है, उसे वहाँ दूध लेने भेजा है। वह चाय की दुकान के मालिक के आदेश का पालन कर रहा है।

**Question 13. Describe the living conditions of children like Saheb.**

साहेब जैसे बच्चों के जीवन जीने की दशाओं का वर्णन कीजिए।

**Answer:** Saheb is a ragpicker. Children like him, live in slums. They earn their livelihood by rag picking and are devoid of a good life. They are devoid of education and live in very unhygienic conditions.

साहेब एक कचरा बीनने वाला है। उसके जैसे बच्चे झुगियों में रहते हैं। वे कचरा बीनकर अपनी आजीविका चलाते हैं, और एक अच्छे जीवन से वंचित रहते हैं। वे शिक्षा से वंचित रहते हैं और बहुत अस्वास्थ्यकर स्थितियों में रहते हैं।

**Question 14. What does Mukesh want to become in life?**

मुकेश जीवन में क्या बनना चाहता है?

**Answer:** Mukesh does not want to be a bangle maker like his father. He wants to be his own master, so he wants to become a motor mechanic in his life. He has the courage to do something different from his tradition.

मुकेश अपने पिता की भाँति चूड़ी बनाने वाला नहीं बनना चाहता है। वह अपना मालिक खुद बनना चाहती है, इसलिए वह जीवन में मोटर मिस्त्री (मोटर मेकेनिक) बनना चाहता है। उसमें अपने परिवार की परम्परा से हटकर कुछ करने का साहस है।

**Question 15. What is customary for a daughter-in-law in India?**

भारत में आम तौर पर एक बहू के लिए क्या प्रथा है?

**Answer:** India is a land of strange customs and traditions. It is customary for a daughter-in-law in India to veil her face before male elders. She is not supposed to show her face to the elderly male members of the family.

भारत विचित्र परम्पराओं और प्रथाओं का देश है। भारत में बहू द्वारा बुजुर्ग पुरुषों के सामने पूँघट करने की प्रथा है। उससे आशा की जाती है कि वह परिवार के बुजुर्ग पुरुषों के सम्मुख अपना चेहरा न दिखाये।

**Question 16. Why do welders of the glass pieces usually lose their eyesight?**

काँच के टुकड़ों को जोड़ने वालों की आँखें प्रायः खराब क्यों हो जाती हैं?

**Answer:** Welders of the glass pieces work in dark hutments next to the lights of flames of flickering oil lamps. That is why they often lose their eyesight. Lack of proper light is responsible for this state.

काँच के टुकड़ों को जोड़ने वाले टिमटिमाते तेल के दीपकों के प्रकाश में अँधेरी झोपड़ियों में काम करते हैं। यही कारण है कि अक्सर उनकी आँखों की रोशनी चली जाती है।

समुचित प्रकाश का अभाव इस स्थिति के लिए उत्तरदायी होता है।

**Question 17. What does a bangle signify?**

चूड़ी का क्या महत्व है?

**Answer:** A bangle has a very significant place in Indian culture. It signifies an Indian woman's Suhaag, auspiciousness in marriage. Every married Indian woman feels proud of wearing bangles as a symbol of married life.

भारतीय संस्कृति में चूड़ी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यह भारतीय महिला की सुहाग की प्रतीक होती है। प्रत्येक विवाहित भारतीय महिला विवाहित जीवन के प्रतीक के रूप में चूड़ियाँ पहनने में गौरव का अनुभव करती है।

**Question 18. What is the main occupation of the people of Firozabad?**

फिरोजाबाद के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?

OR

**What makes the city of Firozabad famous?**

फिरोजाबाद शहर किस बात के लिए प्रसिद्ध है?

**Answer:** Every other family in Firozabad is engaged in making bangles. It is the centre of India's glass-blowing industry where families have spent generations in this work that makes Firozabad famous for its bangles.

फिरोजाबाद में प्रत्येक दूसरा परिवार चूड़ी बनाने के व्यवसाय में लगा है। यह भारत के काँचधमन उद्योग का केन्द्र है जहाँ परिवारों ने इस काम में पीढ़ियाँ गुजार दी हैं जो फिरोजाबाद को उसकी चूड़ियों के लिए प्रसिद्ध बनाता है।

**Question 19. How is Firozabad unchanged?**

फिरोजाबाद बदलावरहित किस तरह है?

**Answer:** The poor people in Firozabad are bound to carry on the business of making bangles. Even young people fall in this vicious circle. Thus, with the passage of time, nothing has changed in Firozabad.

फिरोजाबाद के गरीब लोग चूड़ी बनाने के काम में लगे रहने के लिए मजबूर हैं। यहाँ तक कि युवा लोग भी इस कुचक्र में फँस जाते हैं। इस तरह समय के साथ फिरोजाबाद में कुछ भी नहीं बदला है।

**Question 20. Why does the author compare Saheb and his friends to the morning birds?**

लेखिका साहेब और उसके मित्रों की तुलना सुबह के पक्षियों से क्यों करती है?

**Answer:** The author compares Saheb and his friends to the morning birds because they go for scrounging garbage in the morning and return to their places in the noon. They are like the morning birds that are seen in groups in the morning and return to their places after that.

लेखिका साहेब और उसके मित्रों की तुलना सुबह के पक्षियों से इसलिए करती है क्योंकि वे सुबह कचरा बीनने का कार्य करने जाते हैं और दोपहर को अपने स्थानों पर वापस आ जाते हैं।

वे सुबह के पक्षियों की तरह हैं, जो सुबह झुण्डों में दिखाई देते हैं और फिर अपने स्थानों को लौट जाते हैं।

**Question 21. Why do the bangle makers not organise themselves into a cooperative?**

चूड़ी बनाने वाले स्वयं को एक सहकारी समिति में संगठित क्यों नहीं करते हैं?

**Answer:** The bangle-makers don't organise themselves into a cooperative because they know that if they do so, they will be tortured by the police. And there is no leader among them who can think differently.

चूड़ी बनाने वाले स्वयं को एक सहकारी समिति में इसलिए संगठित नहीं करते हैं क्योंकि उन्हें ज्ञात है कि यदि वे ऐसा करेंगे तो उन्हें पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया जाएगा। उनके बीच में कोई नेता भी नहीं है जो कुछ अलग तरीके से सोच सकता हो।

**Question 22. What are the workers in Firozabad unaware of?**

फिरोजाबाद के श्रमिकों को किस बात का पता नहीं है?

**Answer:** The workers in Firozabad are unaware of the law regarding child labour prohibition. They don't know the fact that child labour is prohibited by law, and that the law could get all those 20,000 children out of the hot furnaces.

फिरोजाबाद के श्रमिकों को बालश्रम का निषेध करने वाले कानून का ज्ञान नहीं है। वे इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं। कि बालश्रम कानून द्वारा निषिद्ध है तथा यह कि कानून उन 20,000 बच्चों को गर्म भट्टियों से दूर कर सकता है।

**Question 23. How does Mukesh's grandmother accept life?**

मुकेश की दादी जीवन को किस तरह स्वीकार करती हैं?

**Answer:** Mukesh's grandmother has no courage to challenge her fate. She thinks that the present state of affairs is the result of their destiny. That is why she has quietly accepted her husband's blindness caused by the dust of glass bangles.

मुकेश की दादी में अपने भाग्य को चुनौती देने का साहस नहीं है। वह सोचती हैं कि उनकी वर्तमान दशा उनके भाग्य का फल है। यही कारण है कि काँच की गर्द के कारण अपने पति के अन्ध होने को वह चुपचाप स्वीकार कर लेती हैं।

**Question 24. What do Saheb and Mukesh represent?**

साहेब और मुकेश किस चीज का प्रतिनिधित्व करते हैं?

**Answer:** Saheb prefers ragpicking to work at a tea-stall. Mukesh aspires to be a motor mechanic. Both the boys represent the idea of being one's own master. They have the courage to challenge their fate.

साहेब चाय की दुकान पर काम करने की अपेक्षा कूड़ा बीनना अधिक पसंद करता है। मुकेश मोटर मेकेनिक बनना चाहता है। दोनों ही लड़के अपनी मर्जी का मालिक होने के विचार का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनमें अपने भाग्य को चुनौती देने का साहस है।

**Question 25. Why does the author think that the children in slums are the partners in survival?**

लेखिका को ऐसा क्यों लगता है कि मलिन बस्तियों में बच्चे जीवन जीने में सहभागी होते हैं?

**Answer:** For the slum dwellers, their children are the partners in their survival as they are engaged in rag-picking at an early age. They contribute to the family income from very early childhood by ragpicking.

झुगियों में रहने वाले लोगों के लिए उनके बच्चे उनके जीने में सहभागी होते हैं क्योंकि वे बहुत कम उम्र में ही कूड़ा बीनने में लगा दिये जाते हैं। वे बहुत छोटी आयु से ही कचरा बीनकर परिवार की आय में योगदान करते हैं।

**Question 26. What does the narrator think about Savita?**

लेखिका सविता के बारे में क्या सोचती है?

**Answer:** Savita is a young girl. She is making bangles quite skilfully. The author wonders if that girl knows the importance of the bangles that she is making. She thinks that Savita will know their value when she is married.

सविता एक छोटी लड़की है। वह बड़ी कुशलता से चूड़ी बना रही है। लेखिका आश्चर्यपूर्वक सोचती है कि क्या यह लड़की जिन चूड़ियों को बना रही है उनका महत्व समझती है। वह सोचती है कि विवाह होने पर सविता उन चूड़ियों का महत्व समझेगी।

**Question 27. What different thing does the author notice in Mukesh?**

लेखिका मुकेश में क्या अलग बात देखती है?

**Answer:** Mukesh belongs to a family of bangle makers. But he wants to be a motor mechanic. This desire of his seems quite different and daring to the author. She sees a ray of courage in him to change his fate.

मुकेश चूड़ी बनाने के काम में लगे परिवार से है। लेकिन मुकेश मोटर-मेकेनिक बनना चाहता है। उसकी यह इच्छा लेखिका को बिल्कुल अलग व साहसपूर्ण लगती है। उसे उसमें अपनी नियति बदलने हेतु साहस की किरण दिखाई देती है।

**Question 28. How do children and elderly people look at garbage?**

बच्चे तथा बड़े लोग कूड़े को किस दृष्टि से देखते हैं?

**Answer:** Children scrounge garbage because they hope they will find a note or coin in the garbage. For them, it is wrapped in wonder but for elders, garbage is a means of their survival. Garbage, for ragpickers, is very important.

बच्चे कूड़े को कुरेदते रहते हैं क्योंकि उन्हें आशा रहती है कि कूड़े में उन्हें कोई नोट या सिक्का मिल जाएगा। उनके लिए, यह आश्चर्य में लिपटा होता है परन्तु बड़े लोगों के लिए, कूड़ा जीने का साधन होता है। कचरा बीनने वालों के लिए कचरा बहुत महत्वपूर्ण होता है।

**B. Answer the following questions in about 125 words each:**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए:

**Question 1. How do names mismatch people in real life? Discuss.**

वास्तविक जीवन में नाम किस प्रकार व्यक्ति से मेल नहीं खाते हैं? व्याख्या कीजिए।

**Answer:** Sometimes, names match a person but very often they do not. Very often we



come across people who behave quite differently from what their names suggest. Parents generally name their children very nicely but the world abounds in misery and cruelty. In such a state, how can one expect names to match people's personality? Dhani Ram or Dhanapati or Lakshmpati are the names often given to the beggars.

Satya Narayan's are often found telling lies and Sajjans are not always gentle. Sunder Lal is not always agreeable to the eyes whereas Garib Dases travel in expensive cars. Saheb-e-Alam is one such name. It means Lord of the universe. But the boy is a ragpicker. These examples show that names do not always match the persons in real life.

कभी-कभी नाम व्यक्ति से मेल खाते हैं परन्तु ज्यादातर ये व्यक्ति के व्यक्तित्व से मेल नहीं खाते हैं। हमें प्रायः ऐसे लोग मिलते हैं जो अपने नाम के अर्थ से बिल्कुल भिन्न व्यवहार करते हैं। माता-पिता सामान्यतः अपने बच्चों के बहुत अच्छे नाम रखते हैं परन्तु संसार में बहुत दुःख व निर्दयता है।

ऐसी स्थिति में, नाम के व्यक्तित्व के अनुरूप होने की आशा कैसे की जा सकती है? धनीराम, धनपति या लक्ष्मीपति ऐसे नाम हैं जो भिखारियों को दिये जाते हैं। सत्यनारायण नाम वाले लोग अक्सर झूठ बोलते पाये जाते हैं और सज्जन हमेशा सज्जन नहीं होते हैं।

सुन्दरलाल सदा आँखों को नहीं भाते हैं जबकि गरीबदास महँगी कारों में सफर करते हैं। साहिब-ए-आलम ऐसा ही एक नाम है। इसका अर्थ है संसार का मालिक। लेकिन वह लड़का कचरा बीनने वाला है। यह उदाहरणB दिखाता है कि वास्तविक जीवन में नाम हमेशा व्यक्तियों से मेल नहीं खाते हैं।

## **Question 2. Describe the place where Mukesh lives.**

मुकेश के रहने के स्थान का वर्णन करो।

**Answer:** Mukesh lives in a street which is choked with garbage. There are houses with crumbling walls, wobbly doors and without windows. They are over-crowded with families from humans and animals coexisting in a primaeval state.

Mukesh's house is half-built. A part of this house is thatched with dead grass. The house is in a very miserable condition. The house, as well as surroundings, are devoid of proper sanitation. The place is not worth living and is a home of a number of diseases.

The place shows their utter poverty that has forced them to live like. Mukesh and his family live in utterly unhygienic conditions. It is because they have no resources to make their place of living hygienic and beautiful.

मुकेश कूड़े से भरी गली में रहता है। यहाँ टूटे-फूटे, कमजोर दरवाजों वाले और बिना खिड़कियों वाले घर हैं। यहाँ आदिम युग की भाँति मनुष्य और पशु साथ-साथ घिचपिच में रह रहे हैं। मुकेश का घर अधबना है।

घर के एक हिस्से पर सूखी घास का छप्पर है। यह घर बहुत टूटी-फूटी स्थिति में है। घर में और उसके आस-पास भी समुचित सफाई का अभाव है। वह स्थान रहने योग्य नहीं है और यह बहुत-सी बीमारियों का घर है।

इस स्थान को देखकर उन लोगों की अत्यधिक गरीबी का पता चलता है जिसके कारण वे इस प्रकार रहने को बाध्य हैं। मुकेश और उसका पूरा परिवार बहुत ही अस्वास्थ्यकर स्थितियों में रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके पास अपने रहने के स्थान को स्वास्थ्यकर व सुंदर बनाने के लिए संसाधन नहीं हैं।

### **Question 3. Why does the writer feel elated when she thinks about Mukesh?**

मुकेश के बारे में सोचकर लेखिका खुश क्यों होती है?

**Answer:** Mukesh belongs to a family of bangle makers. They have been making bangles for generations. They do not even think of coming out of this cycle of poverty. They seem to be devoid of courage. But when the writer hears from Mukesh that he wants to be a motor mechanic, she senses a flash of courage in him.

Seeing this, she gets elated. Mukesh seems to her a symbol of optimistic behaviour among the poor and deprived class of society. He has the courage to think differently and challenge the circle of poverty that has kept the people like him in a very miserable state. The writer feels happy to think that Mukesh is bold enough to be ready to fight his fate while many others like him have accepted their lot without any protest.

मुकेश चूड़ी बनाने वाले एक परिवार से है। पीढ़ियों से वे लोग चूड़ियाँ बना रहे हैं। वे गरीबी के इस चक्र से निकलने की सोचते तक नहीं हैं। ऐसा लगता है कि उन लोगों में साहस ही नहीं है।

किन्तु जब लेखिका मुकेश को यह कहते हुए सुनती है कि वह एक मोटर मेकेनिक बनना चाहता है तो उसे उसमें साहस की झलक दिखती है। यह देखकर वह चहक उठती है। उसे मुकेश समाज के गरीब व वंचित वर्ग के बीच आशावादी व्यवहार का प्रतीक प्रतीत होता है।

उसमें भिन्न प्रकार से सोचने और गरीबी के उस चक्र को चुनौती देने का साहस है जिसने उस जैसे लोगों को बड़ी दयनीय दशा में रखा है। लेखिका यह सोचकर खुश होती है कि मुकेश में अपने भाग्य से लड़ने को तैयार रहने का साहस है जबकि उस जैसे बहुत से लोगों ने बिना किसी विरोध के अपने भाग्य को स्वीकार कर लिया है।

### **Question 4. Describe the plight of the children like Saheb that take rag-picking as their way of life.**

साहेब जैसे बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन कीजिए जिनके लिए कचरा बीनना आजीविका का साधन है।

**Answer:** Saheb is a small boy who belongs to a family of rag-pickers. Children like him

are cursed to live a life of sheer poverty. They are devoid of even the basic needs of life. They live in poorly built hutments amidst lots of filth. What to say of nutritious food and proper clothing, even fresh air and water are a luxury to them. Their areas of living are devoid of drainage, so the danger of diseases always haunt them.

Poverty forces them to live in very unhygienic conditions. Right from a very early age, they get engaged in rag-picking and other such menial jobs. Good health and education are not even in their dreams. They are so busy with their day to day life that they don't even think of ways for a better life.

साहेब एक छोटा लड़का है जिसका परिवार कचरा बीनने का काम करता है। उसके जैसे बच्चे घोर गरीबी को। जीवन जीने को अभिशप्त हैं। वे जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित हैं। वे टूटी-फूटी झोंपड़-पट्टियों में अत्यधिक गन्दगी के बीच रहते हैं। पोषक भोजन व पर्याप्त कपड़ों का तो कहना ही क्या, उनके लिए तो ताजी हवा व जल भी विलासिता की वस्तुएँ हैं।

उनके रहने के स्थानों पर पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होती है, इसलिए उन पर हमेशा बीमारियों का खतरा मँडराता रहता है। गरीबी उन्हें बहुत अस्वास्थ्यकर स्थितियों में रहने को बाध्य कर देती है।

बहुत छोटी आयु से ही वे कचरा बीनने या इसी प्रकार के अन्य छोटे-मोटे कामों में लग जाते हैं। अच्छे स्वास्थ्य व शिक्षा का तो वे स्वप्न भी नहीं देखते। वे अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में इतने व्यस्त रहते हैं कि वे अच्छे जीवन के तरीकों पर विचार भी नहीं करते हैं।

### **Activity 2: Vocabulary (Literary Terms)**

**Which of the given figures of speech has been used in each of the following lines?**

The निम्नलिखित प्रत्येक पंक्ति में किस figure of speech का प्रयोग हुआ है?

**Question 1. Seemapuri, a place on the periphery of Delhi yet miles away from it.**

**Answer:** Oxymoron (shows contrast)

**Question 2. Garbage to them is gold.**

**Answer:** Metaphor (describes one thing as another)

**Question 3. As her hands move mechanically like the tongs of a machine.**

**Answer:** Simile (shows similarity)

**Question 4. She still has bangles on the wrist, but no light in her eyes.**

**Answer:** Irony (unexpected description)

**Question 5. Web of poverty.**

**Answer:** Irony (unexpected description)

### **Activity 3: Speech Activity**

Under the supervision of your teacher, conduct a discussion in your class on each of the following topics on Human Rights Day:

अपने अध्यापक के पर्यवेक्षण में मानवाधिकार दिवसपर निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए:

(i) Child Labour  
बालश्रम

(ii) Compulsory Elementary Education for Children  
बालकों के लिए अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा

**Answer: (i) Child Labour:**

A: Child labour is obviously not only a blot on the forehead of our society but also a crime against humanity.

B: Of course, how can we claim to be civilized while such a heinous practice exists among us?

C: All this seems good in words but in reality, we all seem to have become negligent to the plight of such children. We are used to living happily with ourselves only.

D: Yes, each citizen has to come forward to make society sensitive towards this social evil.

E: In fact laws regarding this have to be implemented strictly. Our government should make such plans that can eradicate this evil.

### **(ii) Compulsory Elementary Education for Children:**

A: Compulsory elementary education for children is necessary just like food, clothing and shelter. It must be provided for each and every child of India.

B: Of course, it makes them able to live an active, healthy, happy and honourable life. Education makes them aware of social evils too.

C: Life without education is worth nothing. Education enables children to face the world smartly. Education makes them self dependent, modest and impressive.

D: That's why compulsory elementary education for children is being provided for all children in India through RTE (Right to Education).

### **Activity 3: Composition**

As a reporter from The Hindustan Times, prepare a report for your newspaper on inadequate civic amenities in the slum areas of Jodhpur.

स्वयं को हिन्दुस्तान टाइम्स का एक रिपोर्टर मानते हुए जोधपुर की झुग्गी-झोंपड़ियों में नागरिक सुविधाओं के अभाव पर अपने समाचारपत्र के लिए एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

**Answer:** Inadequate Civic Amenities in Slum Areas  
Jodhpur, 28 February, 20–

Like all other slum areas, Jodhpur slums also lack proper civic amenities. These slum dwellers live in very poorly built hutments of mud with roofs of tin or tarpaulin. There is neither arrangement of water supply nor there is any sewage or drainage. There is no arrangement of electricity for light.

In these slum areas, there are neither schools for children's education nor hospitals for the sick. In these slum areas, children grow up in filthy conditions and become victims of various diseases. There are no parks or playgrounds for them to play.

These slums abound in filth, there are not even toilets. The people living here live hand in hand with diseases due to the lack of civic amenities.